IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 1, December 2025
Impact Factor: 7.67

भारत में डिजिटल बैंकिंग सुरक्षा और उपभोक्ता जागरूकता

डॉ चांदनी मिश्रा

अतिथि विद्वान - वाणिज्य विभाग

शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा मध्य, प्रदेश

सारांश

यह शोध पत्र भारत में डिजिटल बैंकिंग के तेजी से बढ़ते उपयोग, सुरक्षा चुनौतियों और उपभोक्ता जागरूकता के स्तर का विश्लेषण करता है। यूपीआई (UPI) के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल खुदरा डिजिटल भुगतान लेनदेन का 81% हिस्सा यूपीआई ने लिया, जिसमें 22,167.90 करोड़ लेनदेन हुए। साइबर धोखाधड़ी के मामलों में वृद्धि (वित्तीय वर्ष 2024-25 में लगभग 12.64 लाख यूपीआई फ्रॉड मामले, ₹981 करोड़ का नुकसान) ने सुरक्षा की आवश्यकता को उजागर किया है। आरबीआई के नए दिशा-निर्देशों (ग्राहक सहमति, मुआवजा तंत्र और जोखिम-आधारित निगरानी) के बावजूद, उपभोक्ता जागरूकता अभी भी अपर्याप्त है, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में। अध्ययन से पता चलता है कि साइबर सुरक्षा जागरूकता ग्राहक विश्वास और डिजिटल बैंकिंग अपनाने को बढ़ाती है। निष्कर्ष में, बैंकों और सरकार को निरंतर जागरूकता अभियान और मजबूत सुरक्षा उपायों की सिफारिश की गई है।

कीवर्ड

डिजिटल बैंकिंग, साइबर सुरक्षा, उपभोक्ता जागरूकता, यूपीआई फ्रॉड, आरबीआई दिशा-निर्देश, भारत।

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in

DOI: 10.48175/IJARSCT-30200I